आज की मुरली पर सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 23-07-14

बाबा ने कहा, तुम्हें साहेबज़ादे सो शहजादे बनना है, इसलिए याद की यात्रा से अपने विकर्मों को भस्म करो.

बाबा की याद पक्की करने के लिए, आज सारी मुरली में बाबा ने अपनी महिमा के जितने महावाक्यों उच्चारे है, उसे एक बार लिखकर रिपिट करेंगे.

- शिव भगवानुवाच, अपने को आत्मा समझकर बैठो. बाप फरमाते है शिव भगवानुवाच माना ही शिवबाबा समझाते हैं बच्चे अपने को आत्मा समझकर बैठो क्योंकि तुम सब ब्रदर्स हो. एक ही बाप के बच्चे हो.

- बाप बैठ समझाते हैं तुम सूर्यवंशी अर्थात विश्व के मालिक कैसे बन सकते हो. मुझ अपने बाप को याद करो.

- तुम सब आत्मायें भाई-भाई हो. ऊंचे ते ऊंच भगवान एक ही है. उस सच्चे साहेब के बच्चे साहेबजादे हैं.

- यह बाप बैठ समझाते हैं, उनकी श्रीमत् पर बुद्धि का योग लगायेंगे तो तुम्हारे पाप सब कट जायेंगे. सब दुख दूर हो जायेंगे.

- बाप से जब हमारी आंखें मिलती हैं तो सब दुख दूर हो जाते हैं. आंखें मिलाने का अर्थ हैं, अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, यह है याद की यात्रा. इनको योग अग्नि भी कहा जाता है. इस योग अग्नि से तुम्हारे जो जन्म-जन्मांतर के पाप हैं वह भस्म हो जायेंगे.

- शिव भगवानुवाच - हम सब आत्मायें उनकी सन्तान हैं, ब्रदर्स हैं.

- तुम बच्चों को अब मामेकम याद करना है. देह के सब धर्म छोडो, बाप को याद करो तो तुम्हारे सब पाप कट जायेंगे. सतोप्रधान बन स्वर्ग में जायेंगे.

- शिव भगवानुवाच - हे बच्चों, इस समय तुम आत्माएं पतित हो, अब पावन कैसे बनो? मुझे बुलाया ही है - हे पतित-पावन आओ.

- कुछ भी भाषण आदि शुरू करते हो तो हमेशा पहले-पहले कहते हैं शिवाए नम: क्योंकि शिवबाबा की जो महिमा है वह और कोई की नहीं हो सकती. शिवजयन्ति ही हीरे तुल्य हैं.

- पहले-पहले बाप का परिचय देना चाहिए - वह निराकार बाप है जिनका नाम ही है कल्याणकारी शिव, सर्व का सद्गति दाता.

- वह निराकार बाप सुख का सागर, शान्ति का सागर है.

- 5 हजार वर्ष पहले बेहद के बाप के बच्चे बने थे और यह 21 जन्म का वर्सा बाप से लिया था. शिवबाबा सबसे मीठा बाबा है, उनसे बेहद का वर्सा मिलता है.

- पहले-पहले तो एक सेकण्ड की बात सुनाते हैं, बेहद का बाप जो दुख हर्ता सुख कर्ता है, उनका परिचय देते हैं. वह हम सब आत्माओं का बाप है. बाप कहते हैं तुम सब भाई-भाई हो, मैं तुम्हारा बाप हूँ.

- शिव भगवानुवाच - मैं 5 हजार वर्ष पहले आया था, तब तो शिवजयन्ती मनाते हो. शिवजयन्ती होती है, जिसका फिर भक्ति मार्ग में यादगार मनाया जाता है.

- बाप कहते हैं मामेकम याद करो तो पाप कट जायेंगे. तुम सतोप्रधान बन जायेंगे. सुखधाम के मालिक बनेंगे.

- तुमने पुकारा है पतित-पावन आओ, तो मैं अपने समय पर आया हुआ हूँ. जैसे गीता में श्लोक है - यदा यदाहि धर्मस्य...

- जो मुझे सर्वव्यापी कह मेरा अपकार करते हैं, ऐसे-ऐसे का भी मैं उपकार करने आता हूँ.

- पतित-पावन तो मैं ही हूँ. मेरे साथ योग लगाओ. ॐ शांति.